Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN(o): 2581-6241
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 6.471
Volume - 6, Issue - 8, August - 2023 Publication Date: 31/08/2023

DOIs:10.2018/SS/202308017 --:-- Research Paper / Article / Review

स्टार-स्ट्रक: आधुनिक समाज में ज्योतिषशास्त्र का प्रभाव

अंकिता नंदी
स्वतन्त्र अन्वेषक,
हूघली, पश्चिम बंगाल, भारत
Email – ankitanandy@ymail.com

सारांश: ज्योतिषशास्त्र और पूर्वानुमान से सम्बंधित विधियों को आधुनिक समाज में वैज्ञानिक स्वीकृति मिले या न मिले, सोशल मीडिया, फैशन और कला के जगत में इनकी चर्चा रहती हैं | युवा मनोरंजन में लिए इनका अध्ययन करते हैं और अपनी सार्वजनिक छवि में इसको सम्मिलित करना पसंद करते हैं । कई लोग इन पर पूर्णविश्वास भी करते हैं और अपनी समस्यायों के समाधान खोजते हैं। इस प्रचलन का गहन अध्ययन करने हेतु एक सर्वेक्षण किया गया जिसमें देश-विदेश से भागीदारी प्राप्त हुई। यह लेख उस सर्वेक्षण के परिणामों का विश्लेषण करता है ।

मूल शब्द: ज्योतिषशास्त्र , सर्वेक्षण, फैशन , सोशल मीडिया , रूचि ।

1. परिचय:

मनुष्य अज्ञात और अपरिचित से भयभीत रहता है, अतः किसी घटना के होने से पूर्व उसके परिणामों को जानने का कौतुहल उसको व्याकुल करता हैं | फलस्वरूप भविष्यवक्ता हर समाज हर युग में महत्त्वपूर्ण भूमिका में रहे हैं | चाहे भविष्य को लेके उनके अनुमान किसी पारदर्शी वैज्ञानिक विधि पर आधारित हो, उदहारण के लिए मौसम का प्राक्कलन भौतिक विज्ञान के सिद्धांतों से किया जा सकता है; या वो उनको जादू का नाम देकर गुप्त ही रखें, हर आर्थिक एवं सामाजिक वर्ग उनकी कला से प्रभावित रहता है | इन विधियों में ज्योतिषशास्त्र, उसके भिन्न प्रकार, और पूर्वानुमान करने की अन्य विधियाँ जैसे टैरो कार्ड्स आती हैं | विश्व के अधिकतर संस्कृतियों में इन विद्याओं का प्रचलन रहा है |

धार्मिक और सामाजिक कारणवश अथवा आधुनिक विज्ञान के प्रभाव से इसका प्रयोग घट गया है । अनेक धर्मों में ये वर्जित है और इसका व्यवहार अंधविश्वास और ठगी के रूप में देखा जाता है । एक प्रचलित फ़ारसी लोक कथा में ठगी भविष्यवक्ता किस प्रकार ४० चोरों का पता लगाता है इसका विवरण मिलता है । २०१६ की एक चलचित्र में अभिनेता ओस्कन डेनिज़ एक ठगी भविष्यवक्ता की भूमिका में दिखते है | इन विद्याओं के विपक्ष में वर्षों से अन्वेषक अपनी कृतियाँ प्रकाशित करते आए हैं । १९८२ में आरम्भ हुआ २,००० विख्यात व्यक्तियों का ज्योतिषविद्या के आधार पर विश्लेषण नकारात्मक परिणाम ही देता है, यह परियोजना आज भी सक्रीय है [1]।

परन्तु अनेक लोगों के वास्तविक व्यक्तिगत अनुभव इन विद्याओं के पक्ष में हैं और उनके विश्वास के आधार पर देश-विदेश में कई सफल व्यवसायें स्थापित हुए हैं । उदाहरण के लिए जो कोई वर्ष चीनी राशिफल के अनुसार सर्प से सम्बंधित होते हैं उनमें निवेशकों में निराशावाद देखा जा सकता हैं [2]। इन्हीं प्रचलित धारणाओं के फलस्वरूप ज्योतिषशास्त्र निवेशकों को सुझाव देने में उपयोगी हैं।

कुछ युवा अपना खाली समय इनके विस्तृत अध्ययन में समर्पित करते हैं । कई पुस्तकें, पत्रिकाएँ और समाचार पत्र अपने पाठकों के मनोरंजन के लिए दैनिक, साप्ताहिक, मासिक इत्यादि राशिफल प्रकाशित करते हैं । फ़ैशन और सोशल मीडिया में इनका गहरा प्रभाव देखने को मिलता है| राशिफल के अनुसार कपड़े, इत्र, खिलौने, श्रृंगार का सामन, सजावट का सामान आदि मिलते हैं । युवा राशिफल में विश्वास न भी करते हो, उसका प्रदर्शन करना सकारात्मक मानते हैं ।

डूबते को तिनके का सहारा भी पर्याप्त लगता है । २०२० में आए वैश्विक महामारी और उससे आई आर्थिक और पारिवारिक समस्याओं से त्रस्त अनेक युवा इन विद्याओं की ओर आकर्षित हुए हैं । चित्र १ में गूगल ट्रेंड्स में "जोडिएक" शब्द की खोज की बढ़ती प्रवृति देखी जा सकता है। यदि उनको किसी भविष्यवक्ता से आमने-सामने विमर्श करने में संकोच हो, तो वो ऑनलाइन या मोबाइल ऍप्स पर परामर्श ले लेते हैं ,एस्ट्रोडेन्टिस्ट (https://www.astro.com/horoscopes) ऐसे कई सेवाएँ प्रदान करता है ।

ज्योतिषशास्त्र और उससे सम्बंधित विद्याओं की लोकप्रियता और उनके प्रति बढ़ते झुकाव के विश्लेषण के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। भारत के अतिरिक्त २० देशों से कुल ११६ प्रतिभागियों ने १८ प्रश्नों के उत्तर सांझा किएँ । इस सर्वेक्षण के परिणामों को विस्तार में प्रस्तुत किया गया है ।

2. प्रश्नावली:

इस सर्वेक्षण में प्रतिभागियों को व्हाट्सप्प द्वारा एक गूगल फॉर्म साँझा किया गया था जिसमे १६ प्रश्न पूछे गए थे । मूल प्रश्न आंग्लभाषा में थे। अधिकतर प्रश्नों का उत्तर लाइकर्ट मापदंड पर एक संख्या चयन करके दिया जा सकता था। प्रश्न इस प्रकार थे :

इन तीन प्रश्नों से हम प्रतिभागी के वर्तमान जीवनशैली का आंकलन करते हैं ।

(1) ० से १० के मापदंड पर, आप अपने वर्तमान जीवन में कितने प्रसन्न है ?
(2) ० से १० के मापदंड पर, आपके लिए अपना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य कितना महत्त्वपूर्ण हैं ?
(3) ० से १० के मापदंड पर, आपका सोशल मीडिया के उपयोग के स्तर क्या है ?

इन ५ प्रश्नों से हम प्रतिभागी के पारिवारिक तथा सामाजिक वातावरण में ज्योतिषशात्र के उपस्थिति का आंकलन करते हैं ।

(4) ० से १० के मापदंड पर, अपने राशिफल के सन्दर्भ में आपको कितना ज्ञान है, उदाहरण के लिए आपकी राशि क्या है, इस राशि के लोगों के व्यक्तित्व को लेके कैसी धारणाएँ प्रचलित हैं, इत्यादि ?
(5) ० से १० के मापदंड पर, गतवर्ष आप पुस्तकों, पत्रिकाओं, इंटरनेट इत्यादि द्वारा ज्योतिषशास्त्र से कितने सम्मुख हुए ?
(6) विश्वभर में कई लोग सामजिक एवं पारिवारिक निर्णय लेने में ज्योतिषशात्र की सहायता लेते हैं । ० से १० के मापदंड पर, आप इस प्रचलन से कितने अवगत हैं?
(7) विश्वभर में कई लोग आर्थिक निर्णय, जैसे की कोई बड़ा निवेश अथवा व्यय करते हुए, ज्योतिषशात्र की सहायता लेते हैं । ० से १० के मापदंड पर, आप इस प्रचलन से कितने अवगत हैं?
(8) विश्वभर में कई लोग आजीविका अथवा व्यवसाय सम्बंधित निर्णय लेने में ज्योतिषशात्र की सहायता लेते हैं । ० से १० के मापदंड पर, आप इस प्रचलन से कितने अवगत हैं?
(9) विश्वभर में कई लोग सोशल मीडिया पर अपना परिचय देते हुए अपने राशि का उल्लेख करते हैं । ० से १० के मापदंड पर, आप इस प्रचलन से कितने अवगत हैं?
(10) समकालीन फैशन एवं कला के क्षेत्रों में ज्योतिषशात्र का प्रभाव देखा जा रहा है | इनमें से किन वस्तुओं अथवा सेवाओं में आपने इनका प्रभाव देखा हैं?

निम्न प्रश्न प्रतिभागी के ज्योतिषशास्त्र के प्रति अभिरुचि को समझने में सहयोग करते हैं।

(11) यदि आपको जानकारी मिले कि किसी समारोह में ज्योतिषशास्त्र से सम्बंधित कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं, ० से १० के मापदंड पर, आपकी उसमें सम्मिलित होने की कितनी संभावना हैं ?
(12) यदि आपको जानकारी मिले कि किसी समारोह में ज्योतिषशास्त्र से सम्बंधित कार्यक्रम आयोजित किया गया हैं और वह सेवा सशुल्क है, ० से १० के मापदंड पर, आपकी उस कार्यक्रम में सम्मिलित होने की कितनी संभावना हैं ?

अंतिम ४ प्रश्न सामान्य जानकारी सांझा करने का निवेदन करते हैं ।

(13) कृपया अपने अनुसार निम्नलिखित लिंगों में से एक का चयन कर लें ।
(14) कृपया अपने आयु अनुसार निम्नलिखित आयु-समूहों में से एक का चयन कर लें ।
(15) कृपया जिस देश में आप निवास करते है उसको साँझा करें ।
(16) यदि आप अतिरिक्त कुछ लिखना चाहें, यहाँ लिखें ।

3. सर्वेक्षण के परिणाम:

प्रतिभागियों में महिलाओं की संख्या अधिक थी और अधिकाँश लोगों ने २५-३० और ३०-४० आयु-समूहों का चयन किया था। ५३ प्रतिभागी भारत के निवासी हैं, अतिरिक्त ६३ अन्य देशों में रहते हैं, जैसे कि मलेशिया, अमेरिका, कनाडा, सऊदी अरब इत्यादि । परिणामों को प्रमाणित करते हुए बॉक्सप्लाट सम्मिलित किए गए हैं ।

चित्र २ से ज्ञात होता है कि महिलाओं में ज्योतिषशास्त्र के विषय में अधिक जागरूकता है और सम्बंधित कार्यक्रमों में भाग लेने का उत्साह भी | अतिरिक्त जानकारी में लिखा गया, "मुझे ज्योतिषशास्त्र से सम्बंधित कलाकारी आकर्षित करती है ।" महिलाओं को गतवर्ष इन विद्याओं से सम्बंधित जानकारी भी अधिक प्रदर्शित की गई हैं , हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि ये प्रदर्शन उनके अपने चुनाव से हुआ था या नहीं ।

चित्र ३ से ज्ञात होता है कि भारतीय प्रतिभागियों ने, विदेशी प्रतिभागियों कि तुलना में, ज्योतिषशास्त्र को महत्त्वपूर्ण आर्थिक, व्यावसायिक और पारिवारिक निर्णयों में प्रयोग होते हुए देखा है। इस व्याख्या से यह स्पष्ट नहीं होता कि उनके अपने परिवार के सदस्य या वह स्वयं इन विद्याओं का प्रयोग करते हैं या नहीं | परन्तु अधिकाँश प्रतिभागी मनोरंजन के लिए इनका सेवन करते हैं | एक प्रतिभागी कहते है कि, "राशिफल मात्र मनोरंजन के होते हैं और इनका व्यक्तिगत जीवन में कोई विशेष भूमिका नहीं होती।" राशिफल और उनसे सम्बंधित प्रवृत्तियाँ पाठकों को निशुल्क मिले तो वे उसका सेवन करेंगे, सशुल्क मिले तो उनकी रूचि घट जाएगी । चित्र ४ इस प्रचलन का प्रमाण देता है ।

प्रतिभागियों ने अनेक वस्तुओं को इन शास्त्रों से प्रभावित पाया, उदाहरण के लिए आभूषण, पोशाक, प्रसाधन सामग्री, इत्र, खान-पान की सामग्री, खिलौने, इत्यादि । सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन गेमिंग में इनका भरपूर उल्लेख मिलता है । लोग अपने प्रियजनों को इनसे सम्बंधित कलाकृतियां भेंट में देते हैं अथवा स्मारिका के रूप में संचय करते हैं । इनसे प्रेरित कई मोबाइल ऍप्स उपलब्ध हैं । कई धर्मों में ज्योतिषशास्त्र और सम्बंधित विद्याओं का प्रयोग वर्जित है, लेकिन एक प्रतिभागी कहते है, "मुझे ज्योतिषशास्त्र में रूचि है, पर मेरे धार्मिक विचार इसके अध्ययन अथवा प्रयोग की अनुमति नहीं देते ।" इस प्रकार के ग्राहक मोबाइल ऐप्प्स में मिलती गोपनीयता से लाभान्वित होते हैं ।

4. समाप्ति:

युवा अपने राशिफल का प्रयोग निर्णय लेने में चाहे न करें, सार्वजनिक करने से पीछे नहीं हटते और अपने जीवनशैली और सोशल मीडिया के माध्यम से साँझा करते हैं। भारतीयों में इन विद्याओं का दैनिक जीवन में निर्णयात्मक उपयोग भी देखा जाता हैं। इंटरनेट और मोबाइल ऍप्स के माध्यम से लोगों का ऐसे विषयों तक पहुँचना सुगम हो गया है । लोगों में ज्योतिषशास्त्र एवं सम्बंधित विद्याओं के प्रति बढ़ते रूचि से अनेक व्यवसायें लाभान्वित हो सकते हैं, जबकि इस प्रचलन की उपेक्षा करना आर्थिक हानि का कारण बन सकता है ।

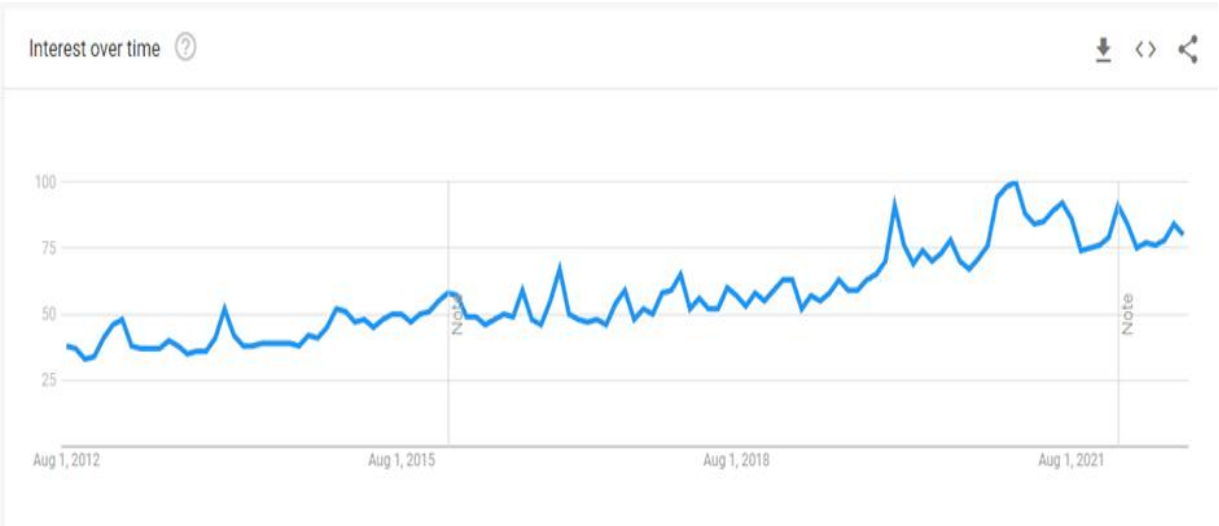

चित्र १. गूगल ट्रेंड्स में "जोडिएक" शब्द की खोज गत दशक में बढ़ी है, जो जन सामान्य के रुचियों को उजागर करता है ।

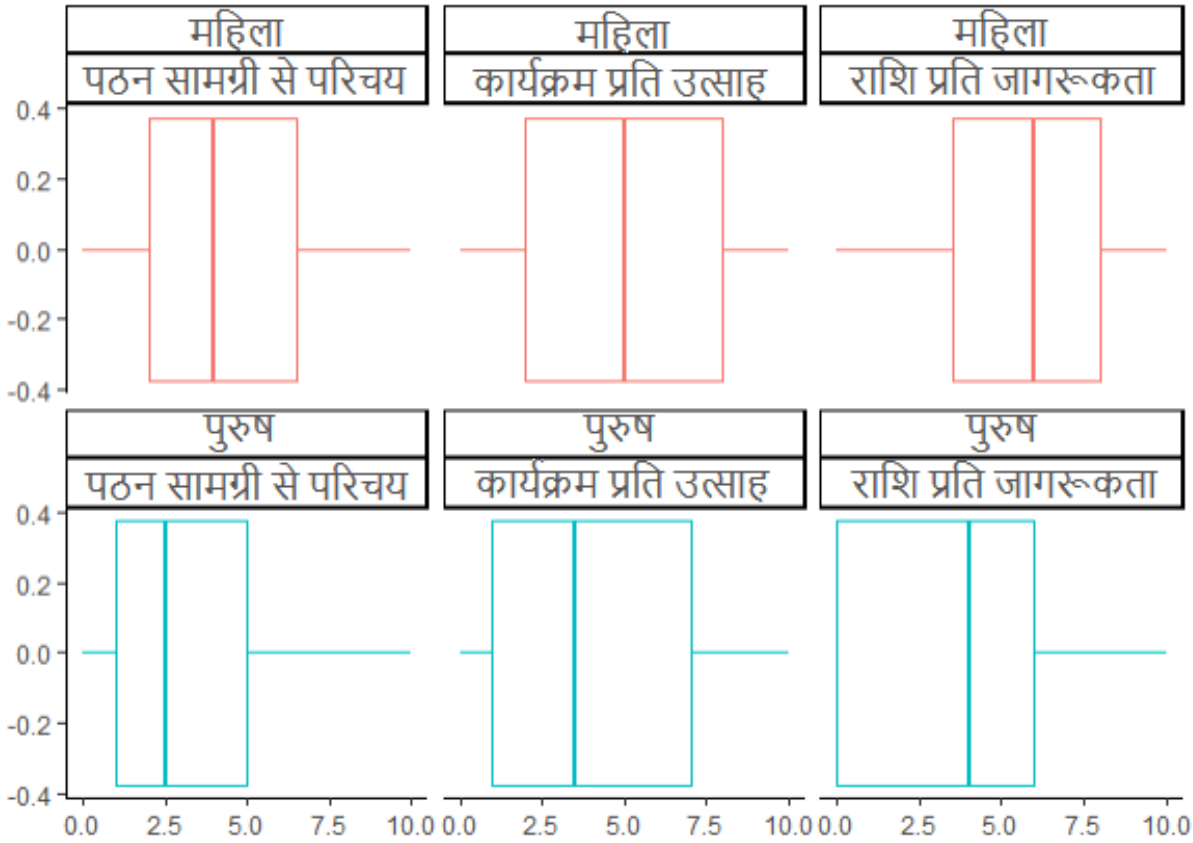

चित्र २. ज्योतिषशास्त्र के पठन सामग्री से परिचय, सम्बंधित कार्यक्रमों के प्रति उत्साह और अपने राशि के प्रति जागरूकता के आधार पर महिलाओं और पुरुषों में भेद ।

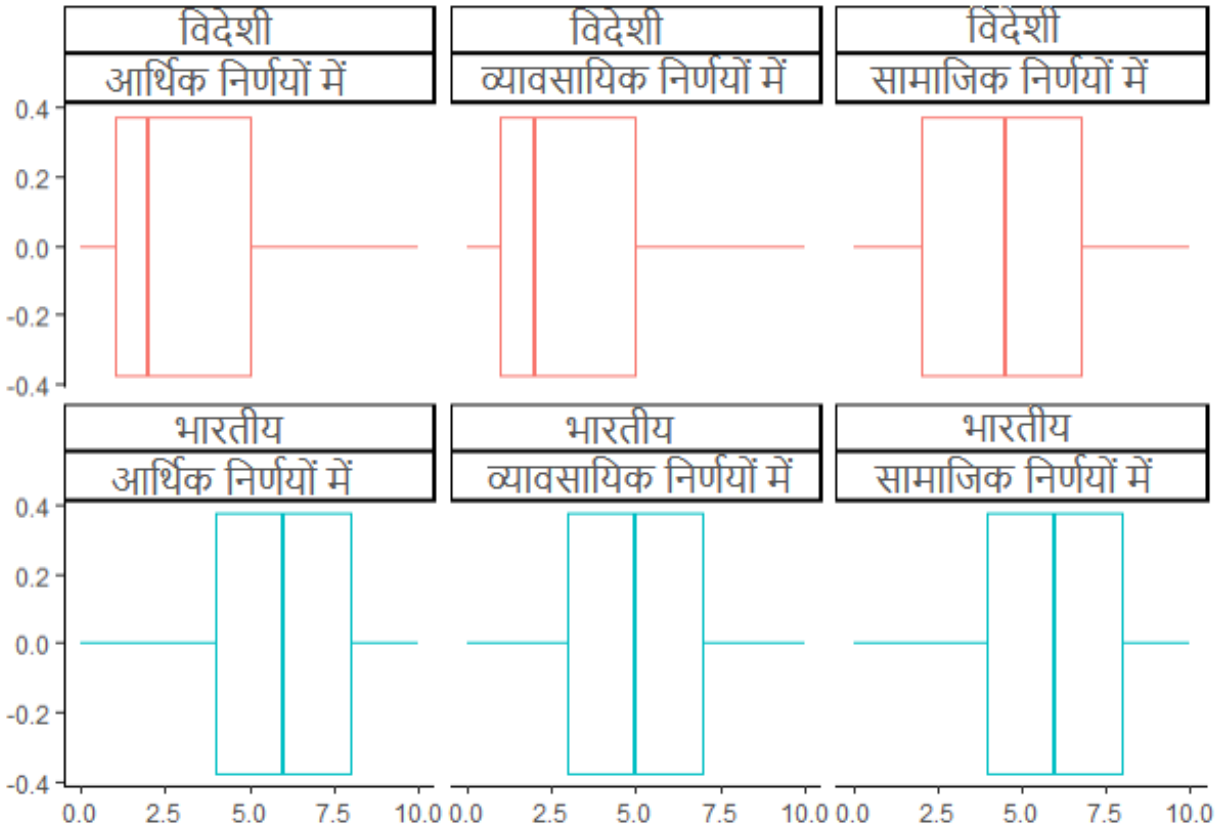

चित्र ३. अपने वातावरण में सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक निर्णयों में ज्योतिषशास्त्र का प्रचलन के अनुभव के आधार पर भारतीय और विदेशी प्रतिभागियों का भेद ।

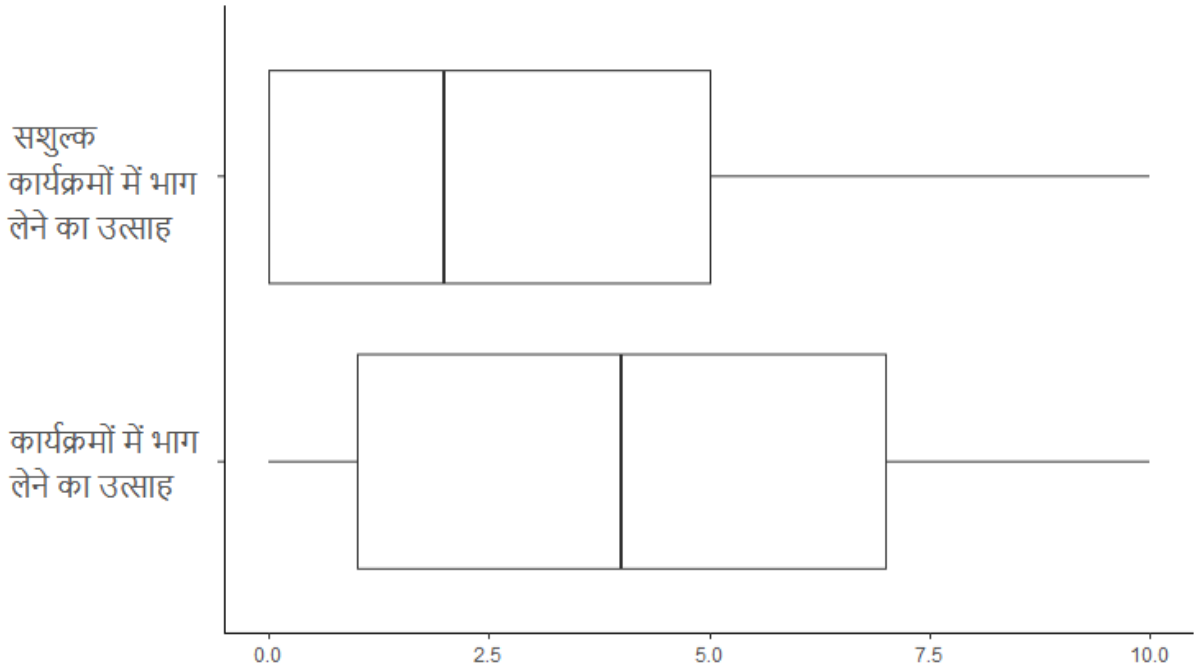

चित्र ४. ज्योतिषशास्त्र से सम्बंधित कार्यक्रमों में भाग लेने का उत्साह और उनके सशुल्क होने की स्वीकृति का भेद ।

सन्दर्भ :

1. ओपन गौकेलिन . ऑर्ग (https://opengauquelin.org/ से प्राप्त १८ अगस्त २०२३ पर देखा गया)
2. मैसमि , ए. (२०१३). जोडिएक कैलेंडर एंड मार्किट रिटर्न्स. एशियाई जर्नल ऑफ़ फाइनेंस व एकाउंटिंग, ५(१), ३४४.
3. गूगल ट्रेंड्स(https://trends.google.co.in/trends/ से प्राप्त १८ अगस्त २०२३ को देखा गया)